Literacy for a Billion

Movie: Dil Se
Year: 1998

Song: Ae Ajnabee Tu Bhi Kabhi
Lyricist: Gulzar

ऐ अजनबी
तू भी कभी
आवाज़ दे कहीं से
ऐ अजनबी
तू भी कभी
आवाज़ दे कहीं से
मैं यहाँ
टुकड़ों में जी रहा हूँ
मैं यहाँ
टुकड़ों में जी रहा हूँ
तू कहीं
टुकड़ों में जी रही है
ऐ अजनबी
तू भी कभी
आवाज़ दे कहीं से
ऐ अजनबी
तू भी कभी
आवाज़ दे ...

पाखी पाखी परदेसी
पाखी पाखी परदेसी
रोज़ रोज़ रेशम सी हवा
आते जाते कहती है बता
रेशम सी हवा
कहती है बता
वो जो दूध धुली
मासूम कली
वो है कहाँ
कहाँ है
वो रोशनी कहाँ है
वो जान सी कहाँ ...
... रही है
ऐ अजनबी
तू भी कभी आ...

तू तो नहीं है लेकिन
तेरी मुस्कुराहट है
चेहरा कहीं नहीं है पर
तेरी आहटें हैं
तू है कहाँ
कहाँ है
तेरा निशाँ कहाँ है
मेरा जहाँ कहाँ है
मैं अधूरा
तू अधूरी
जी रही है
ऐ अजनबी
तू भी कभी
आवाज़ दे कहीं से
ऐ अजनबी
तू भी कभी
आवाज़ दे कहीं से

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.